



धमाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

युवाओं के सशक्तिकरण लिए मध्यप्रदेश सरकार शुरू करने जा रही– ‘युवा शक्ति मिशन’

भोपाल । मध्यप्रदेश सरकार युवाओं के उज्जवल भविष्य एवं उनके सशक्तिकरण के लिए नवाचारों पर जोर दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के शक्त नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र GYAN (गरीब, युवा, अन्नदत्ता और नारी) के सशक्तिकरण पर विशेष फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, प्रधानमंत्री मोदी के विजन को मिशन के रूप में धरातल पर लागू करने हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार युवाओं के लिए युवा शक्ति मिशन के रूप में सशक्तिकरण की नई सोगात लेकर आई है। प्रदेश सरकार स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनव-री से युवा शक्ति मिशन लांच करने जा रही है। इस मिशन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के 15- 29 साल के युवाओं को जोड़ा जाएगा।

मिशन का यह है उद्देश्य – युवा शक्ति मिशन का उद्देश्य आत्मविश्वास एवं उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए युवाओं में नौतैतियों का सामना करने का सामर्थ्य



का जाग्रत करना। युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रदान करना है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के साथ नशे से युवाओं को दूर रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। सामाजिक बुराइयों (जैसे दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा आदि) के खिलाफ युवाओं को शिक्षित किया जाएगा। राष्ट्र और राज्य के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति से युवाओं को जोड़ा जाएगा। एनसीसी, एनएसएस और एनवायके से युवाओं को जोड़ा जाइते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जागरूक किया जाएगा। खेलों के माध्यम से नेतृत्व, टीमवर्क और अनुशासन को प्रोत्साहित करना है। ‘युवा शक्ति मिशन’ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवा सशक्तिकरण के विजन की दिशा में सार्थक पहल है। इसके क्रियान्वयन से युवाओं को जनसहभागिता के माध्यम से सामुदायिक सेवा में शामिल करके उनमें सक्षम तथा कुशल नेतृत्व के गुण विकसित किये जाएंगे।

पांच स्तंभ पर आधारित युवा शक्ति मिशन

- डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू हो रहे स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के तहत सरकार ने पांच स्तंभ तय किए हैं। इनमें संवाद, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामर्थ्य (क्षमता संवर्धन), उद्यमिता-रोजगार, सामाजिक पहल और निगरानी शामिल हैं।
- संवाद स्तंभ के तहत सरकार युवाओं के साथ संवाद स्थापित करेगी। यह संवाद डिजिटल और ऑफलाइन प्रणाली से किया जाएगा। उन्हें करियर काउंसलिंग दी जाएगी। युवाओं को इस बात के लिए भी प्रेरित किया जाएगा कि वे गुणवत्ता, उपयोगिता, दक्षता, स्थिरता और समयबद्धता का विचार करें।
- मिशन के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व की क्षमता को विकसित करने के साथ ही उन्हें सामाजिक योगदान के लिए संकल्पित किया जाएगा।
- युवा शक्ति मिशन का उद्देश्य ‘युवाओं’ में शिक्षा, कौशल विकास, और सामुदायिक सेवा जैसे प्रमुख नेतृत्व गुणों को विकसित कर उन्हें सक्षम बनाना है, जिससे वे प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें।
- ‘युवा शक्ति मिशन’ के केंद्र में युवा है और वह राष्ट्र की प्रगति के केंद्र में भी वही है। इसलिए युवाओं को नेतृत्व सक्षम बनाने के लिये आवश्यक संसाधन और अवसर प्रदान करना ही इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है।

ब्राह्मण सोशल ग्रुप की अभिनव पहल, समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न प्रतिभाओं का किया सम्मान



नीमच । ब्राह्मण सोशल ग्रुप नीमच के तत्वावधान में अटल बिहारी वाजपेई सभागार टाउन हॉल परिसर में समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा कार्यों के लिए विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान शाल श्रीफल से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश जी एवं परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर प्रयागराज इलाहाबाद संस्कृत विश्वविद्यालय की संस्कृति विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉक्टर मीनाक्षी जोशी ,मणिकांत शर्मा, ज्योतिषाचार्य प्रशांत व्यास के आतिथ्य एवं ब्राह्मण सोशल ग्रुप अध्यक्ष चेतन व्यास मामा,

सचिव जैसी शर्मा, कोषाध्यक्ष कन्हैया लाल शर्मा की उपस्थिति में वरिष्ठ नागरिक जगदीश जोशी, सीएम पोरवाल ,प्रकाश शर्मा, वरिष्ठ महिला नागरिक श्रीमती निर्मला देवी व्यास, पांवी भाई शर्मा, छीम्मा बाई शर्मा ,अवंती देवी तिवारी, गायत्री देवी शर्मा, उर्मिला देवी शर्मा, अनुसूया देवी जोशी, लीला देवी शर्मा, संदाशिव सारस्वत कुकड़ेश्वर वाले, कर्मकांडीय पंडित परिषद के पंडित राधेश्याम उपाध्याय, मालचंद शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, रामावतार शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, रामेश्वर शर्मा, घनश्याम शास्त्री चंदू, राहुल शर्मा ,प्रेम प्रकाश

शर्मा, श्रवण कुमार शर्मा, मनीष शर्मा, दिनेश शर्मा चीनी, सुनील शर्मा, राजेश चतुर्वेदी ,जयप्रकाश प्रहलाद, शंकर शर्मा,नगर के विप्र पत्रकार बंधु, सुभाष ओझा ,उमेश जोशी ,कमलकांत जोशी,मुकेश सहारिया, भूपेंद्र गौड़ बाबा, पवन शर्मा, गौरव त्रिपाठी, नरेंद्र शर्मा, श्रवण कुमार शर्मा राज, महेंद्र उपाध्याय, संजय कुमार नागदा, हेमंद शर्मा चिट्टू, दिनेश शर्मा, आकाश शर्मा, अर्पित शर्मा, एवं विगत 20 वर्षों तक धार्मिक क्षेत्र में निरंतर श्री रामायण, श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा, शिव पुराण, भजन संध्या एवं चातुर्मास में जैन संतों के प्रवचन प्रचार प्रसार के क्षेत्र

में उल्लेखनीय योगदान के लिए पत्रकार अर्जुन सिंह जायसवाल को शाल श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण सोशल ग्रुप के प्रोफेसर एल एन शर्मा, प्रकाश भट्ट, दिनेश मनावत, आशुतोष जोशी, मनीष भारद्वाज, योगेश शर्मा, विष्णु शर्मा, रमेश व्यास,जगदीश व्यास, सत्यनारायण पाराशर,सुरेश शर्मा, नीमच सिटी संजय शर्मा,ब्राह्मण सोशयल ग्रुप महिला मंडल अध्यक्ष संगीता शर्मा, सचिव अर्चना तिवारी, कोषाध्यक्ष शोभा शर्मा, सह सचिव भरती व्यास, प्रभारी आरती व्यास, उर्मिला शुक्ला आदि बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

खाद्य पदार्थों के अमानक पाए गए नमूनों के आधार पर प्रकरण तैयार कर प्रस्तुत करें - कलेक्टर चंद्रा

जिले में चायनीज मांझे की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाए, कलेक्टर ने जिला अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नीमच । मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लिए गए नमूनों की प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर अमानक पाए गए खाद्य पदार्थों पर संबंधित संस्थानों, दुकानों के विरूद्ध प्रकरण तैयार कर, सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करें। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी जानकारी का पत्रक तैयार कर, प्रस्तुत करें, कि उन्होंने किन-किन संस्थानों से किस तिथि को नमूने लिए और किस दिनांक को लेब से जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। कौन सी रिपोर्ट अमानक, मानक पाई गई और यदि कोई अमानक रिपोर्ट प्राप्त हुई है, तो उस आधार पर किस दिनांक को केस दर्ज किया गया है। इसकी जानकारी का पत्रक तैयार कर अगली टीएल में प्रस्तुत करें ।

कलेक्टर ने सिंगोली के सर्वे नम्बर 441/1, 441/3 पर की गई संपत्ति की रजिस्ट्री की विस्तृत जाच कर, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने



के निर्देश जिला पंजीयक जिला नीमच को दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि उक्त सर्वे नम्बर पर यदि गलत जानकारी के आधार पर बिक्री रजिस्ट्री हुई हो, तो रजिस्ट्री किसने की और किस आधार पर की, नामांतरण किसने और कैसे किया तथा इससे शासन को कितनी आर्थिक हानि हुई। इस संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश जिला पंजीयक को दिये गए।

कलेक्टर ने चायनीज माझा की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए एसडीएम को तहसीलदार

के माध्यम से जांच कर, संबंधित दुकानों के विरूद्ध कार्यवाही करने और चायनीज माझा की जप्ती करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम सुनिश्चित करें, कि उनके क्षेत्र में चायनीज माझा की बिक्री ना हो। कलेक्टर ने जिले में संचालित सभी 108 एम्बुलेंस वाहनों के फिटनेस को चेक करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा, कि सभी एम्बुलेंस वाहन अच्छी हालत में हो, यह सुनिश्चित किया जाए ।

दिव्यांग शिविरों में 780 दिव्यांगजन लाभान्वित:- बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान एवं सुशासन अभियान के तहत अब तक जिले में आयोजित किए गए दिव्यांग शिविरों में 780 दिव्यांगता प्रमाण मेडिकल बोर्ड द्वारा बनाकर दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया गया है। साथ ही बस यात्रा पास एवं रियायती रेलवे पास भी प्रदान किए गए हैं। जावद में 8 जनवरी 2025 को दिव्यांग शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी तरह सिंगोली में 15 जनवरी 2025 को दिव्यांग शिविर आयोजित किया जावेगा। कलेक्टर ने जन कल्याण अभियान के तहत सफल दिव्यांग शिविरों के आयोजन की सराहना की । बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ अरविंद डामोर, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

यौन शोषण मामले में आसाराम को राहत, सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम बापू को 2013 के रेप केस मामले में जमानत दे दी है। उसे यह बेल मेडिकल ग्राउंड पर दी गई है। हालांकि इस दौरान उसे समर्थकों से मिलने की इजाजत नहीं है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आसाराम सबूत से छेड़छाड़ की कोशिश नहीं करेगा और ही किसी समर्थक से मिलेगा। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने यह आदेश जारी किया।

बीमारियों का दिया हवाला – अदालत ने कहा कि 86 वर्षीय आसाराम हृदय रोग के अलावा उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। गांधीनगर कोर्ट द्वारा 2023 में दी गई आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ आसाराम ने शीर्ष अदालत में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने



इस पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा था। अदालत ने कहा था कि वह मामले को केवल मेडिकल ग्राउंड पर देखेगा। इसके पहले 29 अगस्त, 2024 गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम की याचिका खारिज कर दी थी।

2013 केस में मिली थी सजा – आसाराम को टायल कोर्ट ने जनवरी 2023 में दोषी पाया। उसके खिलाफ एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। वह अभी एक अन्य रेप केस में राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद है।

चाइनीज मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई – सांसद गुप्ता

सांसद ने चाइनीज मांझे की बिक्री और दुर्घटनाओं के बढ़ते मामले को लेकर अधिकारियों के संज्ञान में डाला, आमजन से भी की अपील

मंदसौर । जान लेवा होते चाइनीज मांझे के बिक्री पर पर प्रतिबंध लगाने और बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने अधिकारियों से चर्चा की और नाराजगी जाहीर की। पूर्व में भी सांसद गुप्ता ने नीमच, मंदसौर व रत्नलाम के कलेक्टर को पत्र लिख कर चाइनीज मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

सांसद गुप्ता ने कहा कि पिछले कई समय से देखने में आ रहा है कि जिले मे चाइनीस मांझे का रहीं है। एक दिन पूर्व भी संजीत नाके पर चाइनीज मांझे की चपेट



आ रहे है। यह आमजन, पशु- पक्षियों के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के कारण इस पर प्रतिबंध के बाद भी इसकी बिकी खुले रूप से हो रही है। एक दिन पूर्व भी संजीत नाके पर चाइनीज मांझे की चपेट

में आने से नागरिक की गर्दन पर काफी गहरा जख्म हो गया। ऐसी घटनाओं की पुनः ना हो इसके लिए सभी अधिकारी कठोर कदम उठाए। उन्होंने कहा कि एक टीम गठित की जाकर दुकानो की जांच करवाई जाए तथा ग्रामीण एवं शहरी पंतग, डोर व्यापारियो को निर्देश एवं समझाईश दी जाए तथा सख्ती के साथ इस पर कार्यवाही हो सके। इसी के साथ ही उन्होंने शहर वासियों से अपील की है कि वो अपने बच्चों को समझाये की वो चाइनीज मांझे का इस्तेमाल न करें। अगर कोई भी चाइनीज मांझे की बिक्री करता है तो उसकी सूचना प्रशासन को देवे।

कृषि भूमि का नियमानुसार बंटाकन किया जाए - चंद्रा

कलेक्टर ने की जनसुनवाई- 84 लोगों की सुनी समस्याएं

नीमच । राजस्व अधिकारी कृषि भूमि के बंटाकन कार्य प्राथमिकता से करें। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई में रतनपुरा मनासा के नानालाल पिता गंगाराम के आवेदन पर तहसीलदार रामपुरा को दिए। नानालाल ने तहसीलदार द्वारा कृषि भूमि बंटाकन आदेश जारी करने के बाद भी बंटाकन नहीं करने की शिकायत कलेक्टर की। इस पर तहसीलदार को बंटाकन करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में गिरडीड़ा के वरदीचंद धनगर ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने और बच्चों की स्कूल फीस माफ करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। कंजाई के मनोज राठौर ने



ड्रोन सर्वे में उसके आवासीय पट्टा क्रमांक 893 पर अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज हो जाने पर त्रुटी सुधार करवाने, सरवानिया महाराज के वासुदेव दर्जी ने भूखण्ड का कब्जा और आम रास्ते का कब्जा दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर

द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए गए ।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 84 लोगों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ अरविंद डामोर व जिला अधिकारी उपस्थित थे ।

जनसुनवाई में रामपुरा के ग्राम थनड़ के मोहन, भेरूलाल, नंदलाल, बंगला नम्बर 59 नीमच की संतोष, भोलाराम कम्पाउण्ड

नीमच के रविकांत, रेवली देवली के हीरालाल, सोनियाना के राजमल, रावणरूण्डी के संतोष, संजू एवं दीपक, जवाहर नगर नीमच के शशिकांत पाराशर, सनावदा के सम्पतलाल, नीमच सिटी के सज्जनलाल, लुमण्डी की निर्मलाबाई, यादवमण्डी के नानुराम, बिसलवास कलां के नाथुलाल, रावसिंहपुरा के श्यामसिंह, भादवामाता के गोपाल पोखवाल, दीपक नागदा, दड़ौली के कन्हैयालाल, जनकपुर की सोनाबाई, बंगाली कोलोनी ग्वालटोली के कमल प्रजापति, सरवानिया महाराज की सुमन कुंवर आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर, अपनी समस्याएं सुनाईं।



शरद केलकर ने संजय लीला भंसाली को बताया परफेक्शनिस्ट

एक्टर शरद केलकर ने हाल ही में संजय लीला भंसाली के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भंसाली के साथ काम करना किसी चुनौती से कम नहीं है, क्योंकि वह अपने काम में पूरी तरह से परफेक्शनिस्ट



जैसे बड़े एक्टर से भी कई बार शॉट्स के लिए टेक्स लेने में बिल्कुल संकोच नहीं करेंगे। हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में शरद केलकर ने कहा, 'संजय लीला भंसाली सर के साथ काम करना काफी चुनौती से भरा होता है। वह एक्टर से पूरी तरह मेहनत करवाते हैं और जो उन्हें चाहिए होता है, वो हासिल करके ही रहते हैं। शरद की माने तो हर फिल्म को लेकर भंसाली का एक नजरिया होता है। वह फिल्म को अपने दिमाग में पहले से ही बना लेते हैं, और अगर कोई गलती होती है, तो वह उसे फिर से ठीक कर लेते हैं। वह थोड़ा परफेक्शनिस्ट हैं। उनके दिमाग में यह साफ होता है कि किरदार क्या करेंगे और उनकी सीमा क्या होगी। वह आपको अपनी सोच के करीब लाने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। कभी-कभी यह दबाव कुछ लोगों को परेशान कर सकता है, जबकि कुछ इसे पसंद करते हैं। शरद ने आगे कहा, 'भंसाली सर अमिताभ जी से भी जितने चाहे उतने टेक्स ले सकते हैं। अगर उन्हें अच्छा नहीं लगता तो वह मना भी कर सकते हैं। वह अपने काम को लेकर एकदम सख्त हैं। 'गोलियों की रासलीला रामलीला' में आए थे नजर शरद केलकर फिल्म 'गोलियों की रासलीला रामलीला' में नजर आए थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि जब उन्होंने फिल्म का सेट देखा था तब वह चौंक गए थे और सोचते थे कि इतने पैसे क्यों खर्च किया जा रहे हैं। मॉडलिंग से की थी करियर की शुरुआत शरद ने साल 2004 में ग्रासिम मिस्टर इंडिया कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया था। इससे पहले शरद फिटनेस ट्रेनर हुआ करते थे। इस कॉन्टेस्ट में शरद फाइनलिस्ट रहे थे, जिसके बाद उन्हें दूरदर्शन के शो आक्रोश में कास्ट कर लिया गया था।



कीर्ति सुरेश को बेबी जॉन के लिए सामंथा ने की थी सिफारिश

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश पहली बार फिल्म बेबी जॉन में स्क्रीन शेयर करते नजर आए। वैसे तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है, लेकिन इस फिल्म को जिसकी रीमेक बनाया गया यानी थेरी ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। बेबी जॉन की अभिनेत्री कीर्ति ने खुलासा किया कि उन्हें इस फिल्म के लिए किसी खास शाख्स ने रिक्मेंड किया था और इस फिल्म को लेकर वह डरी हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, कीर्ति सुरेश ने खुलासा किया है कि सामंथा रूथ प्रभु ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन के लिए उनकी सिफारिश की थी। यह फिल्म एटली की तमिल ब्लॉकबस्टर थेरी की रीमेक है, जिसमें मूल रूप से दलपति विजय और सामंथा रूथ प्रभु ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बेबी जॉन में, कीर्ति ने वह भूमिका निभाई जो मूल रूप से सामंथा ने निभाई थी। एक इंटरव्यू के दौरान बेबी जॉन के लिए कीर्ति ने उनका नाम सुझाने के लिए सामंथा के प्रति आभार व्यक्त किया। कीर्ति ने कहा, जब यह हो रहा था, तब शायद वह मेरे बारे में सोच रही थी। यही बात वरुण धवन ने मुझे बताई थी। मैं इसके लिए जितना भी आभारी रहूँ, कम है। सामंथा ने कहा कि कीर्ति इस किरदार को बखूबी निभा पाएंगी। आगे कीर्ति ने कहा, तमिल में थेरी में उनका अभिनय मेरे पसंदीदा में से एक है। ईमानदारी से कहूँ तो मैं इस फिल्म को लेकर बहुत डरी हुई थी। आगे कीर्ति ने कहा, मुझे याद है कि उन्होंने जब बेबी जॉन का ट्रेलर देखने के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, मैं इसे किसी और के साथ शेयर नहीं करती, लेकिन आपके साथ करती। यह बहुत प्यारा था और मेरे लिए बहुत मायने रखता था। मैं इससे

बेहतर बॉलीवुड डेब्यू की उम्मीद नहीं कर सकती थी। यह उन किरदारों में से एक है, जिन्हें मैं वाकई पसंद करती हूँ और मुझे खुशी है कि मुझे इसे हिंदी में निभाने का मौका मिला। बेबी जॉन कीर्ति सुरेश की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। भले ही फिल्म दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही हो, लेकिन कलीज निर्देशित इस फिल्म में कीर्ति सुरेश के अभिनय को कई लोगों ने काफी पसंद किया है। फिल्म में कीर्ति ने मीरा का किरदार निभाया है।

क्या सुजॉय घोष की अगली फिल्म में काम नहीं कर रहे हैं शाहिद?

सुजॉय घोष को लेकर बीते लंबे समय से खबरें थी कि वो शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान की आगामी फिल्म किंग का निर्देशन करेंगे। हालांकि, बीते दिन जानकारी मिली कि फिल्म के निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद को सौंपी गई है। वहीं, किंग से बाहर होने के बाद ही एक और खबर वायरल हुई थी कि सुजॉय ने अपने नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो वह एक थ्रिलर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। साथ ही मुख्य भूमिका के लिए इस बॉलीवुड स्टार के साथ बातचीत भी चल रही है और इसमें शाहिद कपूर का नाम सामने आया था। हालांकि, यह खबर पूरी तरह से गलत है।

शाहिद की टीम ने किया इनकार

इस खबर को लेकर जब शाहिद की टीम से बात की तो उन्होंने इस खबर से पूरी तरह से इनकार कर दिया। टीम ने बताया कि अभिनेता ऐसी किसी भी फिल्म में काम नहीं कर रहे हैं। ऐसे में वायरल हो रही खबरें पूरी तरह से गलत हैं और



मलाइका अरोड़ा ने बीते साल को लेकर कही अपनी बात

मलाइका अरोड़ा साल 2024 में अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रही। पहले उनका अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हुआ फिर अभिनेत्री के पिता का निधन हो गया। सोशल मीडिया पर मलाइका ने एक पोस्ट कर बताया कि उनका साल काफी कठिन रहा। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से मलाइका अरोड़ा ने पोस्ट साझा की है। उन्होंने बताया कि ये साल उनके लिए कितना मुश्किल रहा। पोस्ट साझा कर मलाइका ने लिखा- साल 2024, मैं तुमसे नफरत नहीं करती लेकिन तुम बहुत मुश्किल रहे। बहुत सी चुनौतियाँ, बहुत सारे बदलाव और बहुत सारी सीख। तुमने मुझे दिखाया कि जीवन कैसे बदलता है। पलक झपकते ही जीवन में कितने बदलाव आ जाते हैं। मुझे लगता है मुझे खुद पर और भरोसा करना चाहिए। इस साल ने मुझे बताया कि मेरी मानसिक, शारीरिक और इमोशनल हेल्थ मेरे लिए कितनी जरूरी है।

ऐसा सोचती हैं मलाइका

पोस्ट में लिखा, इस दौरान और भी बहुत सारी चीजें हैं, जिन्हें मुझे समझाना होगा लेकिन मुझे लगता है, समय के साथ चीजें और समझ में आने लगेंगी। चीजों के होने की कुछ न कुछ वजह होती है, मैं इस बात को पूरी तरह से मानती हूँ। बता दें कि मलाइका और अर्जुन कपूर ने काफी समय तक एक दूसरे को डेट किया। दोनों ने साथ में कई सारी तस्वीरें भी साझा की। वहीं, मई में खबरें आई कि दोनों ने अपने रास्ते बदल लिए हैं। वे नहीं चाहते थे कि उनके रिश्ते को लेकर कोई बात करे। ब्रेकअप की खबरों के बीच ही अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल मेहता का निधन हो गया। इस दौरान बॉलीवुड के कई बड़े सितारों को मलाइका के घर जाकर उनसे मिलते देखा गया। मलाइका अरोड़ा की वर्कफ्रंट की बात करें तो वे रियलिटी शो मूविंग इन विद मलाइका में देखा गया था। वहीं, अर्जुन कपूर को सिंघम अगेन में डेंजर लंका के किरदार में देखा जाएगा।

क्या सुजॉय घोष की अगली फिल्म में काम नहीं कर रहे हैं शाहिद?

बिना किसी आधार पर चर्चा में चल रही है।

इस फिल्म को लेकर

चर्चा में हैं शाहिद

शाहिद इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म देवा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म के साथ शाहिद एक बार स्क्रीन पर दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। इस फिल्म को रोशन एंज्रूज ने निर्देशित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में शाहिद एकदम अलग अवतार में नजर आएंगे। फैस भी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।



धूता के बाद इस सुपर नैचुरल फिल्म में नजर आएंगे नागा चैतन्य?

साउथ अभिनेता नागा चैतन्य फिल्म धूता में नजर आए थे। फिल्म धूता ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म 1 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को प्रशंसकों की साकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इस हॉरर फिल्म के अलावा नागा एक और हॉट फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म को विरुपाक्ष के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू निर्देशित करेंगे।

हॉरर फिल्म में नजर आएंगे नागा चैतन्य

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2023 में प्रीमियर होने वाली अमेजन प्राइम सीरीज धूता के बाद, नागा चैतन्य एक धासू सुपरनैचुरल थ्रिलर जॉनर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। नागा चैतन्य विरुपाक्ष फेम कार्तिक वर्मा दंडू के निर्देशन में एक और सुपरनैचुरल थ्रिलर पर काम कर रहे हैं।

फिल्म को लेकर चल रही है बातचीत

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चै की फिल्म निर्माताओं के बीच बातचीत चल रही है। इस सुपरनैचुरल थ्रिलर के लिए अर्का मीडिया वर्कस में बाहुबली के निर्माता इस रोमांचक प्रोजेक्ट को फंड करेंगे। हालांकि, नागा चैतन्य ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अगर यह प्रोजेक्ट फाइनल हो जाता है, तो यह 2025 की दूसरी छमाही में यह फिल्म प्लोर पर आ जाएगी।

आने वाली फिल्म

हाल ही में अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला के साथ एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंधने वाले नागा चैतन्य को अगली बार भावनात्मक समुद्र तटीय प्रेम कहानी थंडेल में देखा जाएगा। इस फिल्म में नागा के साथ साई पल्लवी नजर आएंगी। नागा चैतन्य फिल्म थंडेल में एक मछुआरे की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह पहली बार है, जब वह एक ग्रामीण किरदार निभा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल्लु अरविंद ने इस फिल्म का निर्माण 60 करोड़ रुपये के बजट पर किया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह नागा चैतन्य की अब तक की किसी भी फिल्म का सबसे बड़ा बजट है। यह फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



पलक तिवारी की डेटिंग लाइफ पर मां श्वेता ने दिया जवाब -वो हर तीसरे लड़के को डेट करती है

अफवाह है कि पलक तिवारी सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को डेट कर रही हैं। उनके लगातार एक साथ दिखने से इन अफवाहों को हवा मिली। वहीं, बेटी की डेटिंग की रिपोर्ट्स पर अब खुद मां श्वेता तिवारी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। साथ ही खुलासा किया कि इन सबका उन पर कैसा प्रभाव पड़ता है। जब श्वेता तिवारी से बेटी पलक तिवारी की डेटिंग अफवाहों पर उनके विचार पूछे गए, तो उन्होंने कहा, अफवाहें अब मुझे परेशान नहीं करती, पिछले कुछ वर्षों में मुझे एहसास हुआ है कि लोगों की याददाश्त केवल चार घंटे तक रहती है। उसके बाद वे समाचार भूल जाएंगे, तो चिंता क्यों

करें? अफवाहों के मुताबिक, मेरी बेटी हर तीसरे लड़के को डेट कर रही है और मैं हर साल शादी कर रही हूँ।

ट्रोल्स को दिया करारा जवाब

श्वेता तिवारी ने अपनी बात में जोड़ा, इंटरनेट के अनुसार, मैं पहले ही तीन बार शादी कर चुकी हूँ। ये चीजें अब मुझे प्रभावित नहीं करती, पहले करती थीं जब सोशल मीडिया नहीं था और कुछ पत्रकार फिल्मी हस्तियों के बारे में अच्छा लिखना बिल्कुल पसंद नहीं करते थे। मनोरंजन जगत की हस्तियों के बारे में नकारात्मकता बिकती है। उस युग से निपटने के बाद, इसका मुझ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

बेटी की ट्रेलिंग से होता है दुख

बेटी पलक की ट्रेलिंग पर अपना दुख जाहिर करते हुए श्वेता तिवारी ने कहा, यह मुझे कभी-कभी डराता है। पलक चाहे कैसी भी दिखती हो लेकिन वो बहुत मासूम है। वो लोगों को जवाब देना नहीं जानती है। ट्रेलिंग का ये युग काफी बदसूरत हो गया है। लोगों ने उसे नीचे खींचने की कोशिश की है, लेकिन वह कमेंट्स नहीं पढ़ती है। हालांकि, जब वो ट्रोल् होती है तो इसका मुझ पर असर पड़ता है।

श्वेता-पलक का वर्कफ्रंट

श्वेता तिवारी को कसौटी जिंदगी की, परवरिश और बेगुसराय जैसे पॉपुलर टीवी शोज में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। वहीं, पलक की बात करें तो उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म में शहनाज गिल, राघव जुयाल, पूजा हेगड़े और सिद्धार्थ निगम भी हैं। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रही। वह अगली बार हॉरर-कॉमेडी द वर्जिन ट्री में दिखाई देंगी। फिल्म में संजय दत्त, मौनी रॉय और सनी सिंह भी हैं और इसके 2025 में रिलीज होने की उम्मीद है।

कल्कि एडी 2898 में कृष्ण के किरदार में नजर आएंगे ये अभिनेता

नाग अश्विन-प्रभास की फिल्म भारतीय ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी फिल्म को फैंस ने बहुत पसंद किया है। इस फिल्म के पहले हिस्से के बाद दूसरे हिस्से में भगवान कृष्ण की छवि के रूप में दिखने वाले सितारों के नाम सामने आए हैं। आइए आपको बताते हैं कल्कि एडी 2989 के दूसरे हिस्से में कौन से सितारे नजर आने वाले हैं। इन सितारों के नाम को लेकर हुई चर्चाखबरों की मानें तो यह भूमिका अभिनेता कृष्ण कुमार बालासुब्रमण्यम द्वारा निभाई गई थी, जो सोरारई पोटूरु में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। कृष्ण की भूमिका भूमिका निभाने के लिए संभावित अभिनेताओं के रूप में महेश बाबू और नानी जैसे नाम सामने आए।

नाग अश्विन ने बताया किसे बनाएंगे कृष्ण

नाग अश्विन ने इसको लेकर कहा, मैं कल्कि में भगवान कृष्ण का चेहरा पहले हिस्से में नहीं दिखाना चाहता था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता था कि फिल्म काफी अच्छा कलेक्शन कर सकता है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी शानदार प्रदर्शन कर चुकी है। खबरों की मानें तो महेश बाबू ने फिलहाल इस फिल्म के लिए काम करना अभी शुरू नहीं किया है। नाग अश्विन ने कहा, मुझे महेश बाबू काफी पसंद हैं। ये परिस्थिति बहुत अच्छे हैं। मैं उन्हें श्री कृष्ण के रूप में देख भी लिया था। उन्होंने कहा कि कल्कि एडी 2898 में प्रभास, कमल हसन, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण जैसे बड़े सितारों के लिया था।

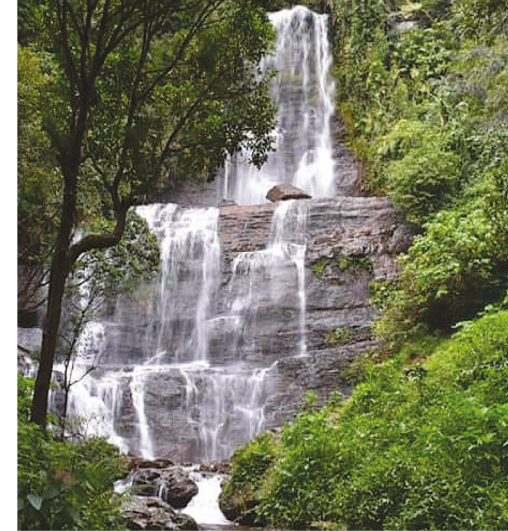




सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। ‘सतधारा’ का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में ‘गंडक’ के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदें जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं



सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। सिंप्रस में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।



सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छीटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्फिल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अवसर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में म्यांस्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी घाटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी

पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अबिका ने मूंड़ा और चंद्र नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको ‘मिनी स्विट्जरलैंड’ या ‘भारत का स्विट्जरलैंड’ के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक है। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई महशूर वंत कथाएं प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनों पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट में पली बड़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की वृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षडयंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी में जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

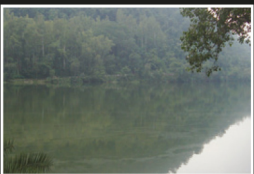
डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती हैं, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपको योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कागड़ में गमाल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

रेणुका झील कैसे पहुंचें



हवाई मार्ग

मुंबाार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

शंखेश्वर पार्ष्वनाथ मंदिर पर गुरु सप्तमी पर्व धार्मिक कार्यक्रम में समाज जनों ने उत्साह दिखाया

गुरु बिना जीवन शुरू नहीं होता है - साध्वी चारुलताजी

हवन में विभिन्न मंत्र उच्चार के साथ दी आहुतियां, समाजजन सहभागी बने



नीमच 6 जनवरी (निप्र)। गुरु राजेंद्र सूरि जी महाराज साहब ने जैन समाज की रक्षा के लिए अनेक सेवा प्रकल्प पूरे किए थे जो आज भी प्रेरणादाई प्रसंग है। उन्होंने अभिदान राजेंद्र कोष की स्थापना की जो आज भी प्रेरक है। गुरु हमारा एक जन्म नहीं अगला जन्म भी सुधार देते हैं।गुरु बिना जीवन शुरू नहीं होता है। साध्वी चारु लता श्री जी महाराज साहब ने कहीं। वे श्री पार्ष्वनाथ राजेंद्र सूरि राजमल पानबाई डूंगरवाल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं श्री शंखेश्वर पार्ष्वनाथ राजेंद्र सूरि नवयुवक मंडल के तत्वावधान में श्रीमद् विजय राजेंद्र सुरेश्वर जी महाराज साहब की 198 में जयंती एवं 118 पुण्यतिथि पोष सुदी गुरु सप्तमी के पावन उल्लस्य में श्री शंखेश्वर पार्ष्वनाथ मंदिर पर त्रिदिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में 6 जनवरी को आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि पवित्र भाव उत्पन्न होते हैं जीवन हीरे जैसा है जिस प्रकार पारसमणी लोहे को छुते ही उसे सोना बना देती है उसी प्रकार देवागुरु के उपदेशों से हमारे जीवन में संयम मार्ग का मार्ग प्रशस्त होता है। रात्रि

भोजन नरक का द्वार है। इससे सदैव बचना चाहिए बड़े पुण्य से मनुष्य जन्म मिलता है इसका सदुपयोग करना चाहिए जिस प्रकार राजेंद्र गुरु ने आत्म चिंतन किया और समाज कल्याण के लिए संयम जीवन को अपनाया उससे हमें भी प्रेरणा लेना चाहिए और अपने जीवन का कल्याण करना चाहिए। इस अवसर पर साध्वी प्रियदर्शना श्री जी महाराज साहब की शिष्या साध्वी सरल स्वभावी हित दर्शना श्रीजी, साध्वी मधुर गायिका चारु दर्शना श्री जी महाराज साहब का सानिध्य मिला।श्री संघ अध्यक्ष राजेंद्र डूंगरवाल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष सरिता कटारिया ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रथम दिवस 4 जनवरी शनिवार को सुबह 6:30 बजे आरती प्रभु भक्ति गुरु भक्ति एवं मेहेदी वितरण राजेंद्र सूरि आराधना भवन पर आयोजन किया गया था। जिसके धर्म लाभार्थी अजीत कुमार अंकित, कनिष, निश्चित गांधी परिवार थे। सभी लाभार्थी परिवार का सम्मान किया गया। महिला मंडल पदाधिकारीयों द्वारा साध्वी महाराज

साहब को कामली वैरा कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया।इस अवसर पर राजेन्द्र दादा का पूजा हवन यज्ञ आयोजित किया गया। विधि कारक पंकज जैन जाड़ा मंत्र उच्चार के साथ यज्ञ में आहुतियां दिलवाई गई। कार्यक्रम की पावन श्रृंखला में गुरु सप्तमी महा महोत्सव की श्रृंखला में 6 जनवरी सोमवार सुबह सुबह 7:45 बजे राठौर परिसर पर नवकारसी आयोजित हुई जिसके लाभार्थी गिरिराज सिंह पंचम सिंह आयुष सोनी परिवार थे। कार्यक्रम की पावन श्रृंखला में सुबह8 बजे नवकारसी 9 बजे मंदिर से रथयात्रा 10:30 बजे शंखेश्वर पार्ष्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के बाद प्रारंभ हुई जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः शंखेश्वर पार्ष्वनाथ मंदिर पर पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हो गई। रथ यात्रा शंखेश्वर पार्ष्वनाथ की प्रथमा को चांदी के रथ में फूलों से श्रृंगारित किया गया । बैण्ड बाजी पर राजेंद्र सूरि के जीवन चरित्र पर आधारित विभिन्न भजनों की स्वर लहरिया बिखर रही थी। गुरु गुण अनुवाद अमृत

प्रवचन सभा आयोजित की गई। विभिन्न धार्मिक चढ़ावे की बोलीया लगाई गईं जिसमें समाज जनों ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई ।सुबह 11:30 बजे जैन भवन पर आयम्बिल, दोपहर 12:30 बजे राठौर परिसर में स्वामी वात्सल्य स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। सोमवार 6 जनवरी दोपहर 12:39 बजे राजेंद्र सूरि गुरु पद महा पूजन का आयोजन किया जिसके धर्म लाभार्थी राजमल सुशील राजेंद्र प्रसाद तन्मय जयवर्धन इवान डूंगरवाल परिवार थे। कार्यक्रम में विधि कारक पंकज जैन झारडा थे तथा अंग रचना राजेंद्र संजय चंडालिया नीमच द्वारा किए गईं । कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु राजेंद्र सूरि जी महाराज साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष राजेंद्र डूंगरवाल ने दिया।कार्यक्रम में तनुषा डूंगरवाल, विधि कोठारी द्वारा आज करने मेरे अंगना आई है स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन संगीता जारोली ने किया तथा आभार अरुण चौरडिया ने व्यक्त किया।

सीटू ने प्रमुख सचिव (श्रम) व श्रमायुक्त को न्यायालय की अवमानना का नोटिस दिया

बड़ी हुई दर से न्यूनतम वेतन नहीं देने से मजदूर कर्मचारियों मेंभारी रोष

नीमच । सेंटर ऑफ़ इंडियन ट्रेड यूनियन्स सीटू के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सिंह ठाकुर ने आज जारी एक प्रेस नोट में बताया कि माननीय म. प्र. उच्च न्यायालय की ईदौर खंडपीठ द्वारा गत 3 दिसम्बर 2024 को न्यूनतम वेतन की पुनरीक्षित दरों के भुगतान पर लगे स्थगन को समाप्त कर दिए जाने के एक माह बाद भी म. प्र. शासन की ओर से बड़ी हुई दरों से वेतन भुगतान हेतु कोई निर्देश जारी नहीं हुए है । एक माह से ज्यादा समय होने के बाद भी निर्देश जारी न करने पर सेंन्टर ऑफ़ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) के प्रदेश महासचिव प्रमोद प्रधान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बाबूलाल नागर ने

कल 6 जनवरी 2025 को प्रमुख सचिव (श्रम) व श्रमायुक्त म. प्र. को नोटिस दे कहा है कि अगर तुरंत आदेश जारी नहीं हुए तो माननीय उच्च न्यायालय की अवमानना की कार्यवाई सीटू की ओर से प्रारंभ की जाएगी । ज्ञातव्य हो कि सीटू इस कानूनी लड़ाई में पक्षकार के रूप में शामिल है । सीटू प्रदेश अध्यक्ष रामविलास गोस्वामी कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह व महासचिव प्रमोद प्रधान ने मध्य प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया है कि माननीय उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बाद भी बड़ी हुयी दरों से भुगतान सम्बन्धी निर्देश जारी न करना प्रदेश के 25 लाख से ज्यादा श्रमिकों व कर्मचारियों के जीवन पर न सिर्फ

कुठाराघात है बल्कि नियोजकों के हित साधने की बेशर्मीपूर्वक कारगुजारी है । सीटू नेताओं ने स्पष्ट किया कि सीटू ने श्रमिकों के हितों के संरक्षण के लिए प्रमुख सचिव (श्रम) व श्रमायुक्त म. प्र. को यह कानूनी नोटिस देने के साथ समूचे प्रदेश में मैदानी संघर्ष भी तेज करने का निर्णय लिया है । सीटू नेताओं ने कहा कि प्रदेश स्तर पर अन्य श्रमिक व कर्मचारी संगठनों को एकजुट कर संघर्ष तेज करने हेतु भी सीटू ने पहल करने का निर्णय लिया है ।

सीटू जिला समिति के कार्यकारी अध्यक्ष किशोर जवेरिया जिला महासचिव सुनील शर्मा कार्यकारी महासचिव पंकज नागदा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री प्रदेश के खजाने से सैकड़ों करोड़ खर्च कर इन्वेस्टर मीट आयोजित कर खरबों-खरब की जमीनें, प्राकृतिक संसाधन आदि कॉर्पोरेट्स के हवाले करने के साथ उन्हे करों में अकल्पनीय रियायतें भी दे रहे हैं, पर वही मुख्यमंत्री प्रदेश के लाखों मजदूरों व कर्मचारियों का वैधानिक न्यूनतम वेतन की वृद्धि तक को रूकवाए हुए है । नेताओं ने प्रदेश के मजदूरों व कर्मचारियों से अपील की है वे प्रदेश सरकार के इस मजदूर विरोधी रवैये के खिलाफ सीटू के मैदानी संघर्ष में भागीदारी करें । विज्ञप्ति में बताया गया है कि शीघ्र ही सीटू राज्य स्तर पर मैदाने व कानूनी लड़ाई की विस्तृत योजना घोषित करेगी ।

पंख अभियान के तहत समुदाय विशेष की महिलाएं सीख रही हैं स्कार्फ एवं हेंड नेपकिन बनाना

नीमच । जिला प्रशासन द्वारा जिले में बांछड़ा समुदाय के उत्थान, कल्याण एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए संचालित पंख अभियान के तहत कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन मे मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तहत सोमवार से ग्राम पंचायत चल्दू में समुदाय विशेष की महिलाओं (बाछड़ा) समुदाय एवं अन्य महिलाओं के लिए पांच दिवसीय बंधेज प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। समुदाय विशेष की महिलाओं ने मंगलवार को इस प्रशिक्षण में स्कार्फ एवं हेंड नेपकिन बनाना सीखा है। कार्यक्रम मे मास्टर ट्रेनर मोहमद आसिफ बड़वाला उज्जैन द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

मंदसौर । नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला राजस्व एवं बाजार समिति की प्रभारी श्रीमती कौशल्या बंधवार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि नगरपालिका परिषद मंदसौर द्वारा करदाताओ की सुविधा के लिए वार्ड वार संपत्तिकर शिविर में आयोजन किया जा रहा है जिसके

तहत दिनांक 8 एवं 9 जनवरी 2025 को वार्ड क्रमांक 6 7 एवं 9 स्थान-कंबल केंद्र रोड कुंदन मेडिकल के पास नई आबादी पर शिविर लगाया जाएगा अतः उक्त वार्ड के समस्त करदाताओं से अपील की जाती है कि शिविर में आकर अपने भवन भूखंड दुकान इत्यादि का टैक्स जमा कराकर नगर विकास में अपना सहयोग प्रदान करें ।

खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर सख्त कार्यवाही की जाए - चंद्रा

नीमच । जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर सख्ती की जाए। ट्रेक्टर ट्राली के माध्यम से किए जा रहे अवैध खनिज परिवहन एवं ओव्वर लोडिंग के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में खनिज, आबकारी, खाद्य सुरक्षा, खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी एवं औषधी निरीक्षक की संयुक्त बैठक में विभागीय समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी नामड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नमलसिंह सिसौदिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे । बैठक में कलेक्टर ने जिला खनिज अधिकारी को अवैध उत्खनन एवं रैती के अवैध परिवहन पर कार्यवाही तेज करने और अवैध उत्खननकर्ता एवं परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए प्रकरण बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, कि जिला खनिज अधिकारी नवीन गौण खनिज खदानों के लिए स्थान चिन्हित कर नवीन खदानों के प्रस्ताव तैयार कर एक माह



प्रस्तुत करें। साथ ही वर्तमान सभी खदानों का भौतिक सत्यापन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि ट्रेक्टर ट्राली के माध्यम से शहर में अवैध रूप से रैती का परिवहन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही कर ट्रेक्टर ट्रालियों से अवैध खनिज परिवहन बंद करवाएं । बैठक में मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत की जा रही जाँच कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा में कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे जिले में संचालित होटल, रेस्टोरेंट, भोजनालय एवं कैफे का समय-समय पर निरीक्षण एवं जांच कर, यह देखे, कि उनमें गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई

जा रही है या नहीं? यदि किसी संस्थान में खाद्य सुरक्षा से संबंधित मानकों को पालन नहीं किया जा रहा हो, तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने नापतोल अधिकारी को निर्देश दिए कि वे बाट एवं माप अधिनियम के तहत नापतोल उपकरणों का सत्यापन सुनिश्चित करें और समय-समय पर दुकानों, संस्थानों पर नापतोल उपकरणों की जाँच करें। बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी यशवंत कुमार शर्मा, जिला आपूर्ति अधिकारी अर.एन.दिवाकर, जिला खनिज अधिकारी अरीफ खान, सहायक जिला खनिज अधिकारी गजेन्द्र डाबर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सी.आर.पी.एफ ने शहीद के बलिदान को किया नमन

नीमच । देश के अमर वीर शहीदों के आत्म बलिदान को नमन कर कृतज्ञता प्रकट करना तथा उनके परिजनों को सर्वोपरि सम्मान देना, प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है, क्योंकि वीरों के बलिदान में परिवार का अति महत्वपूर्ण योगदान होता है । हमारी आने वाली युवा पीढ़ी को वीरों की शहादत के प्रति गौरव की अनुभूति होनी चाहिए । यह सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनका जज्बा आज के युवाओं में देश के लिए कुछ कर गुजरने की भावना पैदा करता है । स्मरण रहे कि कर्तव्य की बलि वेदी पर अपने प्राणों को सर्वस्व न्यौछावर करने वाले मध्य प्रदेश के रतलाम शहर के निवासी सीआरपीएफ के अमर वीर बलिदानी सिपाही चम्पा लाल मालवीय तथा राजगढ़ जिले के ग्राम शहीदाबाग निवासी सिपाही अम्बा राम मालवीय ने वर्ष 2013 में क्रमशः 112 बटालियन व 133 बटालियन में तैनाती के दौरान आज ही के दिन झारखण्ड के लातेहार जिले के बरडी थाना क्षेत्र में अमवतिकर इलाके में माओवादियों से डटकर मुकाबला करते हुए माँ भारती की सेवा में अपने प्राणों को आहुति दी थी। इसी कडी में सीआरपीएफ मुख्यालय, नई दिल्ली

के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में ग्रुप केन्द्र, सी आ र पी एफ, नीमच द्वारा अग्रतिम पहल करते हुए उन शहीदों की पुण्य तिथि पर उनके स्मरण तथा शहादत को नमन करने हेतु मंगलवार को ग्रुप केन्द्र सीआरपीएफ नीमच के डीआईजी श्री राम कृष्ण के कुशल मार्गदर्शन एवं क्रमशः उप निरीक्षक इन्द्रासन सिंह तथा उप निरीक्षक शंभू राम स्वामी के नेतृत्व में सीआरपीएफ ने वीर बलिदानी के गृह निवास पहुँचकर शहीद के सम्मान में उनके गृह निवास पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर रतलाम के स्थानीय विधायक मथुरा लाल धामर, सरपंच श्रीमती मीराबाई गोस्वामी, एसएचओ विष्णु दयाल जोशी तथा राजगढ़ के नगर निगम उपाध्यक्ष निलेश वर्मा, सरपंच कैलाश, एसएचओ रामेश्वर मिश्रा सहित स्थानीय गणमान्य नागरिक तथा परिजनों की सार्दर उपस्थिति में, सीआरपीएफ की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करते हुये उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की गई।

संकट में साथ दे वही सच्चा मित्र होता है - गोविंद उपाध्याय

नीमच । धीरज धर्म मित्र और नारी की परीक्षा विपत्ति के समय होती है । संसार में सच्चे मित्र दुर्लभ होते हैं। मित्र चाहे कैसा भी हो संकट के समय मित्रता निभाकर मित्र की सहायता करें वही सच्चा मित्र होता है। अपने मित्र को गलत मार्ग से छुड़ाकर सन्मार्ग की ओर ले जाए वही सच्चा मित्र होता है। यह बात राष्ट्रीय अटल गौरव पुरस्कार से सम्मानित भागवत आचार्य पंडित गोविंद उपाध्याय नृसिंह मंदिर मनासा वालों ने कहीं। वेअग्रवाल समाज बघाना एवं राधिका मंडल के संयुक्त तत्वाधान में बघाना स्थित फतेह चौक गोपाल मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा के विश्राम दिवस बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मित्र हो तो कृष्ण सुदामा जैसा। कृष्ण ने ब्राह्मण सुदामा मित्र को सबके सामने अपने गले से लगाया। अपने राज सिंहसन पर बिठाया



और मान सम्मान दिया। सुदामा की दशा देख कर कृष्ण करुणा से भर गए और आँखों से आंसू बहने लगे।श्री कृष्ण ने गरीब मित्र सुदामा के चरण अपने आंसुओं से धुलाए तो यह मार्मिक दृश्य देखकर रश्मिणी भाव विहल हो गई यह प्रसंग सुन कर सभी श्रद्धालु भक्त भाव विहल हो गए थे। श्री कृष्ण ने मुट्ठी चावल के बदले तो राज संपत्ति सुख वैभव सब कुछ प्रदान किया था और अपने मित्र की सहायता की थी। तीसरी मुट्ठी के चावल खाने लगे तो रुक्मिणी ने

रोक दिया था युवा वर्ग को कृष्ण सुदामा की मित्रता से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने मित्र की संकट की घड़ी में सहायता करनी चाहिए तभी मित्रता सच्ची कहलाती है। घर परिवार में सुख सम्पद्धि सुख वैभव सब हो तो हितों की स्मृति में धार्मिक कथाएं व यज्ञ आदि पूण्य परमार्थ के सेवा कार्यआयोजित करवाना चाहिए। दान करने से धन की शुद्धि होती है। श्री कृष्ण ने जो गीता में कहा वह करना चाहिए श्री राम ने जो कर्म किया है वह सभी को



करना चाहिए।श्री कृष्ण ने स्वयं ग्वालपाल बन कर संसार को गौ सेवा का संदेश दिया।मित्र, गुरु, मंदिर,संत के यहां खालि हाथ नहीं जाना चाहिए। कुछ न कुछ तो ले जाना चाहिए।महाराज श्री ने भागवत कथा के मध्य नारद मुनि द्वारकापुरी, शिशुपाल, सुदामा सुशिला, सुकदेव, राजा परिक्षित, युधिष्ठिर,भीम व जरासंध वध सहित विभिन्न धार्मिक संस्कारों के वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व प्रतिपादित किया। इस अवसर पर

श्रीमद् भागवत पोथी पूजन आरती में अग्रवाल समाज बघाना, अहीर टाडगर्स ग्रुप के पदाधिकारियों द्वारा भागवत आचार्य पंडित गोविंद उपाध्याय महाराज एवं उनके संगीत कलाकारों की टीम का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा 1 से 7 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक फतह चौक बघाना स्थित गोपाल मंदिर के प्रांगण में पंडित गोविंद उपाध्याय जी के श्री मुख से प्रवाहित हुं।

संगठन में जमीनी कार्यकर्ताओं को पार्टी मौका देगी - जयवर्धन सिंह

मंदसौर । कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में अपने संगठन में गांव से लेकर शहर तक बदलाव करने जा रही है इसी कडी में संगठनात्मक चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से परिचर्चा के लिए आज पूर्व मंत्री व जिला कांग्रेस प्रभारी श्री जयवर्धन सिंह मंदसौर जिले की सुवासरा विधानसभा में दौरे पर थे । श्री जयवर्धन सिंह ने सीतामऊ ब्लॉक व कयामपुर - नाहरगढ़ ब्लॉक की संयुक्त बैठक शरगुन गार्डन सीतामऊ पर ली । यहां पर श्री जयवर्धन सिंह जी का पुष्पमाला से स्वागत सीतामऊ ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश पाटीदार व कयामपुर नाहरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर के साथ साथ विधानसभा प्रत्याशी रहे श्री राकेश पाटीदार ने भी स्वागत किया । वही इसी दौरान सुवासरा ब्लॉक व शामगढ़ ब्लॉक की बैठक जैन दादावाड़ी

सुवासरा पर रखी गई थी इस बैठक पारीचर्चा में श्री जयवर्धन सिंह जी का पुष्प माला से स्वागत सुवासरा ब्लॉक अध्यक्ष कृपाल सिंह सोलंकी व शामगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश जायसवाल ने किया । इस दौरान चारों ब्लॉक कांग्रेस की बैठक परिचर्चा में कार्यकर्ताओं का गांव गांव से हुजूम उमड़ पड़ा । दोनों ही बैठक परीचर्चा के अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री जयवर्धन सिंह जी ने कहा कि संगठन में जमीनी कार्यकर्ताओं को संगठन में मौका दिया जाएगा ,इसमें भी उन कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी जो एक विचारधारा से परिवार के साथ कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं । संगठन में गठन को लेकर श्री जयवर्धन सिंह जी ने कहा कि किसी भी संगठन पर नियुक्ति कार्यकर्ताओं

की सहमति के बाद ही की जाएगी । श्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि पहले गांव के पोलिंग व पूरी विधानसभा के पोलिंग सहित पूरी विधानसभा क्षेत्र को संगठन स्तर पर मजबूत किया जाएगा । निष्क्रिय लोगों को अब पद नहीं मिलेंगे । इस दौरान आपके साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जैन मंदसौर लोकसभा से प्रत्याशी रहे श्री दिलीप सिंह गुर्जर व सुसनेर विधायक भेरू सिंह बापू , सुवासरा विधानसभा प्रत्याशी रहे श्री राकेश पाटीदार भी थे ।

इस दौरान श्री जयवर्धन सिंह जी ने कांग्रेस पार्टी के चारों ब्लकों के कार्यकर्ताओं से संगठन में दावेदारी करने वालों से से आवेदन भी लिए और सभी कार्यकर्ताओं से आवेदन के साथ विनम्रता से बात की ।

श्रीमद् भागवत पोथी पूजन आरती में अग्रवाल समाज बघाना, अहीर टाडगर्स ग्रुप के पदाधिकारियों द्वारा भागवत आचार्य पंडित गोविंद उपाध्याय महाराज एवं उनके संगीत कलाकारों की टीम का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा 1 से 7 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक फतह चौक बघाना स्थित गोपाल मंदिर के प्रांगण में पंडित गोविंद उपाध्याय जी के श्री मुख से प्रवाहित हुं।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45980/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड, नीमच (म.प्र.)

मो. 940742399, 8770664866